श्याम सपनो में आता क्यूँ नहीं

श्याम सपनो में आता क्यूँ नहीं ।
प्यारी सूरत दिखाता क्यूँ नहीं ॥

मेरा दिल तो दीवाना हो गया ।
मुझे सूरत दिखाता क्यूँ नहीं ॥

मेरे नैयनो में सूरत श्याम की ।
मुझे दिल से लगाता क्यूँ नहीं ॥

सादियो से भटक रहा दर दर पर ।
मुझे दर पर बुलाता क्यूँ नहीं ॥

तेरे प्यार का आधा पागल हूँ ।
पूरा पागल बनता क्यूँ नहीं ॥

स्वर : बाबा रसिका पागल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/276/title/shyam-sapno-me-aata-kyun-nahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |